दैनिक जागरण

वर्ष 13 अंक 285 पृष्ठ 16+4=20 नई दिल्ली, बुधवार, 30 अप्रैल, 2003 मूल्य 3.00 रुपये राजधानी

मानसिक रोगी के कटे हुए लिंग को माइक्रोसर्जरी से जोड़ा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

सीजोनोफ्रेनिया से पीड़ित हरियाणा के एक व्यक्ति के कटे हुए लिंग को माइक्रोसर्जरी की सहायता से फिर से जोड़ा गया। राजधानी के पुष्पावती सिंघानिया रिसर्च संस्थान के वरिष्ठ यूरोसर्जन डॉ. राजेश तनेजा ने यह ऑपरेशन किया। 26 वर्षीय उस युवक की स्थिति में सुधार हो रहा है। डॉ. तनेजा को उम्मीद है कि वह करीब एक सप्ताह में ठीक हो जाएगा।

अस्पताल सूत्रों के मुताबिक, खुद ही अपना लिंग-विच्छेद कर लेने के मामले बहुत कम होते हैं। इसका सबसे अधिक जटिल पहलू है कि अत्यधिक खून बह जाने से व्यक्ति की मौत हो सकती है। यदि वह व्यक्ति समय पर उपचार मिलने से बच भी जाए तो उसकी यौन-क्षमता कभी भी सामान्य नहीं हो पाती। डॉ. तनेजा के अनुसार, उस युवक द्वारा अपना लिंग विच्छेद करने के चार घंटे के भीतर अस्पताल लाकर यह ऑपरेशन किया गया। माइक्रोसर्जरी के तहत रोगी की नसों और खून की शिराओं को मैग्नीफाइंग ग्लास की सहायता से कई गुना अधिक बड़ा कर और बड़ी सूक्ष्मतापूर्वक फिर से जोड़ा और सिला जाता है। इस सर्जरी के दौरान यह भी ध्यान रखना होता है कि रोगी को फिर से संक्रमण न हो। कई मामलों में सेप्सिस संक्रमण से भी व्यक्ति की मौत हो जाती है। डॉ. तनेजा के मुताबिक करीब 87 प्रतिशत मानसिक रोग से ग्रस्त लोग अपने ही हाथों अपने लिंग में जख्म बना लेते हैं जबकि करीब 25 प्रतिशत लोग नशे की हालत में यह काम करते हैं। लेकिन पूरी तरह लिंग विच्छेद की लेने के मामले अत्यंत कम सामने आते हैं। डॉ. तनेजा के अनुसार, हरियाणा निवासी इस युवक ने इसके पहले दो-तीन बार आत्महत्या करने की चेष्टा की थी और लिंग काटने के पहले अपनी गर्दन में भी कई जगहों में ब्लेड से काट लिया था।

उन्होंने बताया कि करीब तीन-चार बोतल खून बह जाने से लगभग अचेतावस्था में आए इस व्यक्ति को ऑपरेशन के बाद भी संक्रमण हो गया था लेकिन अब स्थिति में सुधार आ रहा है। घाव पूरी तरह भर जाने के बाद भी डॉक्टरों को उसकी यौन-क्षमता सामान्य बनाने के लिए सर्जरी करनी पड़ सकती है।